भजन

तर्ज– चूड़ी मजा न देगी

तड़पायें वोह नजारे,दिन कैसे यहाँ गुजारें
क्यों कर कहें क्या चाहें,तेरे इश्क के मारे

1– खिलवत का जाम आला,और पिलाने का ढंग निराला
आलम ही वहाँ है बेखुद,और साकी हैं हम प्याला
दे दो जाम हकीकी तरसी रूह ये पुकारे

2– माशूक तुम हो मेरे और तुम ही हुए हो आशिक
पिया वाहेदत भी है तुमसे और इश्क भी तुम हो बेशक
समझाया है फना में,हम तेरी अदा पे वारे

3– करके सिनगार आऊं और सजदा तुझे बजाऊँ
चुनरी ले इश्क रंग की पिया तुझको मैं रिझाऊँ
कहूं और क्या फना में,तुम समझो मेरे इशारे

4– होठों को सी लिया है,अश्कों को पी लिया है
चरणों में आकर तेरे सुख अर्श का लिया है
हसरत भरी निगाह से तुझको ही देखें सारे

5– पिया मूदभरी नजर उठाओ,नैनों से मय छलकाओ
मुझे प्यास आशिकी,यह सोच के जाम पिलाओ
पीना उसी नजर से जो मुतलक ही मार डाले